श्री सभापति : यह आपका ख़याल है।

श्री राजनारायण: आपका क्या ख़याल है?

श्री सभापति : मेरा ख़याल है, जो मोरारजी भाई ने कहा है ठीक है। अगर खाद्य मंत्री जी से पूछेंगे, तो आपको ज्यादा जानकारी होगी।

श्री राजनारायण : एक ही निवेदन मैं मोरारजी भाई से करूंगा कि वे अपनी बुजुर्गी का और उम्र का ज्यादा फायदा उठाने की कोशिश नहीं करें। हमारे लिये मुश्किल हो जायगा।

*144. [*The questioner (Shri Chandra Shekhar) was absent. For answer,* vide *col.* 1109 infra.]

*145. [*The questioner (Sardar Ram Singh) was absent. For answer,* vide *cols.* 1109-10 infra.]

एक बचत बैंक का स्थापित किया जाना

*146. **श्री राजनारायण :** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अधिकारियों की एक समिति ने पहले पांच वर्षों में पांच सौ करोड़ रुपये एकत्र करने के लिये वित्त मंत्रालय के अधीन एक बचत बैंक खोलने की सिफारिश की है ; और

(ख) यदि हां, तो सरकार ने इस सम्बन्ध में क्या निर्णय किया है?

SETTING UP OF A SAVINGS BANK

146. SHRI RAJNARAIN: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a f[act] that a Committee of Officials has recommended the setting up of a Savings Bank under the Ministry of Finance to attract savings to the extent of Rs. 500 crore$_s$ in the first five years; and

(b) if so, what decision has been taken by Government in this connection?]

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० सी० पंत) : (क) जी हां।

(ख) बैंक की स्थापना के सम्बन्ध में होने वाले खर्च को देखते हुए अभी उसकी स्थापना स्थगित रखने का निश्चय किया गया है।

†[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI K. C. PANT): (a) Yes, Sir.

(b) It has been decided to defer the setting up of the Bank for the present in view of the cost involved.]

श्री राजनारायण : जब उसकी स्थापना करने का खयाल सरकार के दिमाग में पैदा हुआ, तो उस समय क्या कारण थे?

श्री के० सी० पंत : दो कारण थे। एक तो यह कि जो सुविधाएं कार्मशियल बैंक में मिलती हैं, उनके मुकाबले पोस्ट आफिस सेविंग्ज बैंक में वे सुविधाएं नहीं मिलती थीं। दूसरा यह कि जितने डिपाजिट्स वहां कार्मशियल बैंक में बढ़ रहे थे, उस रफ्तार से इसमें नहीं बढ़ रहे थे। इन दो दो चीजों को देखते हुए सरकार ने सोचा इस पर विचार किया जाय।

श्री राजनारायण : सुनाई नहीं पड़ा। सरकार ने क्या सोचा?

श्री सभापति : कि इस पर विचार किया जाय। आपने पूछा सरकार के दिमाग में क्या पैदा हुआ तो उन्होंने दो वजहें बताईं।

श्री राजनारायण : श्रीमन्, ठीक है। जिन डिफिकल्टीज को मीट करने के लिये सरकार के दिमाग में ख़याल पैदा हुआ कि एक बचत बैंक खोला जाय, उन डिफिकल्टीज को दूर करने के लिये अगर सरकार उत्सुक है, तैयार है, तो उसमें उसको स्थगित क्यों किया?

f[ ]English translation

श्री के० सी० पंत : स्थगित इसलिये किया श्रीमन्, क्योंकि पहली चीज तो यह थी कि यह उम्मीद की गई थी कि 500 करोड़ रु० पोस्ट आफिस सेविंग्ज सार्टिफिकेट के रूप में इकट्ठा करेंगे और उसके अलावा 500 करोड़ रुपया सरकारी बचत बैंक से इकट्ठा कर लेंगे। मगर यह ठीक नहीं लगा और बहुत ज्यादा लगा। दूसरे इसमें 4 करोड़ रुपया लगता था और इन दो कारणों से इसको स्थापित नहीं किया गया।

PAY SCALES OF BINDERS

♦147. SHRI K. C. BAGHEL: Will the Minister of PTOANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government had revised the scales of pay of Binders working in the Government of India Press, New Delhi, w.e.f. 1st January, 1966;

(b) whether it is also a fact, that later on, the Binders working in the various offices of the Ministries and Departments in the same scales were denied these revised scales on the place of "economy".

(c) if so, the names of those Ministries/Departments which had sought financial sanction for revision of pay-scales of their Binders but were refused by the Finance Ministry; and

(d) the total number of Binders so deprived of the revision of their pay-scales and the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI K. C. PANT): (a) Yes, Sir.

(b) Yes, Sir.

(c) and (d). The information is being collected and will be placed on the Table of the House as soon as possible.

श्री के० सी० बघेल : यह सूचना कब तक इकट्ठी हो जायेगी। और हम कब तक इसके बारे में उमीद करें ?

श्री के० सी पंत : जल्द से जल्द।

SHRI D. THENGARI: Can the Government state what would be the additional amount that the Government will be required to pay? Will that information also be collected?

SHRI K. C. PANT: That will depend on the number of requests that we receive.

SHRI M. P. BHARGAVA: May I know, Sir, whether there is any scheme for importing mechanical binders for binding book.

SHRI K. C. PANT: Sir, I have n» information on that.

SHRI ARJUN ARORA: May 1 know, Sir, if it is a fact that a committee appointed by the Government went into the wage structure of Government presses, and the wage scale of binders in the Government of India presses were increased on the recommendation of that committee? May I know if Government has any intention of appointing a committee for binders and other workers in other categories in other Ministries which have raised such demands?

SHRI K. C. PANT: Sir, it is true that the committee had recommended an increase in the scales of binders m the Government of India presses, and their recommendations were implemented. Thereafter, the Government imposed a ban on the revision of pay structures of posts at all levels for some time. That ban is still in operation. Therefore, this matter cannot be considered at this stage.

SHRI ARJUN ARORA: May I know, Sir, if the removal of that ban is under consideration of the Government?

SHRI K. C. PANT: Sir, it holds good up to 30th June, 1967 and, as matters stand, probably it may be extended.

*148. [The questioner (Shri *Sitaram Jaipuria) was absent. For answer* vide cols. 1110-11 infra.]